राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी, पृ० सं० 4
दिनांक: 3-9-19

डीरेका में तकनीकी गोष्ठी के साथ राजभाषा पखवारा आरम्भ

वाराणसी (एसएनबी)। डीजल रेल कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में 14 सितम्बर तक आयोजित राजभाषा पखवारा का शुभारम्भ सोमवार का स्थानीय 'कीर्ति कक्ष' में राजभाषा नोडल अधिकारियों व पर्यवेक्षकों के लिए तकनीकी गोष्ठी के आयोजन से शुरू हुआ। इस अवसर पर गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख वित्तीय सलाहकार ने कहा कि मध्य कालीन भारत में कबीरदास, सूरदास व तुलसीदास इत्यादि साहित्यकारों ने हिन्दी साहित्य को दिशा प्रदान की उसे स्वतंत्रता आंदोलन में और उसके बाद राष्ट्र निर्माण में भी महान विभूतियों ने आगे बढ़ाया।

स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी ने ही सम्पर्क भाषा के रूप में सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में बांधा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया। उन्होंने डीरेका जैसे तकनीकी इकाई में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग-प्रसार में हो रही लगातार वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा

कि तकनीकी शब्द अंग्रेजी में होने के बाद भी डीरेका हिन्दी में शत-प्रतिशत कार्य कर रहा है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों व पर्यवेक्षकों को तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का निर्देश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों व पर्यवेक्षकों का स्वागत करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी सह वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखाधिकारी ने रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशन व डीरेका में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। गोष्ठी के दौरान राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्ता की जीवनी पर आधारित वृत चित्र का भी प्रदर्शन किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का सुरुचिपूर्ण संचालन करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों व राजभाषा विभाग के क्रियाक्लाप इत्यादि पर प्रकाश डाला।

पखवारा व्यापी कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन सितम्बर को सायंकाल साढ़े छह बजे पूर्वी संस्थान में भारतीय भाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें आठवीं अनुसूचि में शामिल भाषाओं की रचनाओं का पाठ किया किया जायेगा। इसी क्रम में आगे स्थानीय प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र में कर्मचारियों के लिए लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पखवारे का समापन 14 सितम्बर को महाप्रबन्धक श्रीमती रश्मि गोयल की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह व पुरस्कार वितरण के साथ होगा।

Scanned by CamScanner

दैनिक जागरण, वाराणसी, पृ० सं० 7
दिनांक: 3-9-19

डीरेका में राजभाषा पखवाड़ा

जासं, वाराणसी : डीजल रेल इंजन कारखाना में सोमवार को राजभाषा पखवाड़ा का शुरू हुआ। इससे पूर्व तकनीकि गोष्ठी हुई, जिसमें विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि मध्यकालीन भारत में कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास ने हिंदी साहित्य को जो दिशा प्रदान की उसे स्वतंत्रता आंदोलन में महान विभूतियों ने आगे बढ़ाया। स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी ने ही देश को एक सूत्र में बांधा था। गोष्ठी के दौरान राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त की जीवनी पर प्रकाश डाला गया।

जन संदेश टाइम्स, वाराणसी, पृ० सं० 8
दिनांक: 3-9-19

राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ करते अधिकारीगण

डीरेका में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना में सोमवार को राजभाषा विभाग के तत्वावधान में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ राजभाषा नोडल अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के लिए तकनीकी गोष्ठी के आयोजन के साथ हुआ गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख वित्त सलाहकार ने कहा कि मध्यकालीन भारत में कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास इत्यादि साहित्यकारों ने हिन्दी साहित्य को जो दिशा प्रदान की उसे स्वतंत्रता आंदोलन में एवं उसके उपरान्त राष्ट्र निर्माण में भी महान विभूतियों ने आगे बढ़ाया । स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी ने ही सम्पर्क भाषा के रूप में सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में बांधा था। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया । उन्होंने डीरेका जैसे तकनीकी इकाई में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग-प्रसार में हो रही लगातार वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी शब्द अंग्रेजी में होने के बावजूद भी डीरेका हिन्दी में शत-प्रतिशत कार्य कर रहा है । उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का निर्देश दिया । गोष्ठी के दौरान राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जीवनी पर आधारित वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया । पखवाड़ा व्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को पूर्वी संस्थान में भारतीय भाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

आईनेक्स्ट, वाराणसी, पृ० सं० 3
दिनांक: 3-9-19

डीएलडब्ल्यू में साहित्य पर हुई चर्चा

डीएलडब्ल्यू राजभाषा विभाग की ओर से दो से 14 सितम्बर तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ सोमवार को कीर्ति कक्ष मे हुआ. पहले दिन राजभाषा नोडल अधिकारियो एवं पर्यवेक्षको के लिए तकनीकी गोष्ठी का आयोजन हुआ. अध्यक्षता प्रमुख वित्त सलाहकार ने किया. उन्होंने कहा कि मध्यकालीन भारत मे कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास इत्यादि साहित्यकारो ने हिन्दी साहित्य को जो दिशा प्रदान की उसे स्वतंत्रता आंदोलन एवं उसके बाद राष्ट्र निर्माण मे भी महान विभूतियो ने आगे बढ़ाया.

हिन्दुस्तान, वाराणसी, पृ० सं० 4
दिनांक: 3-9-19

स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी ने देश को एक सूत्र में बांधा

गोष्ठी

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

डीरेका में सोमवार से राजभाषा पखवाड़ा की शुरुआत हुई। कीर्ति कक्ष में राजभाषा नोडल अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए तकनीकी गोष्ठी हुई। अध्यक्षता करते हुए प्रमुख वित्त सलाहकार जेएन पांडेय ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी ने ही सम्पर्क भाषा के रूप में सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में बांधा था। डीरेका जैसी तकनीकी इकाई में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग-प्रसार में वृद्धि पर संतोष जताया।

गोष्ठी के दौरान राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जीवनी पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। इसके पहले कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी संजय कुमार सिंह ने राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों और राजभाषा विभाग के कार्यों पर प्रकाश डाला। बताया कि पखवाड़ा के समापन पर 14 सितम्बर को प्राविधिक प्रशिक्षण केन्द्र प्रेक्षागृह में महाप्रबंधक रश्मि गोयल की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह व पुरस्कार वितरण होगा।

जनवार्ता, वाराणसी, पृ० सं० 3
दिनांक: 3-9-19

डीरेकाः राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ

वाराणसी (जनवार्ता)।डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में सोमवार से 14 सितम्बर तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ सोमवार को स्थानीय कीर्ति कक्ष में राजभाषा नोडल अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के लिए 'तकनीकी गोष्ठी' के आयोजन के साथ हुआ । इस अवसर पर गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख वित्त सलाहकार ने कहा कि मध्यकालीन भारत में कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास इत्यादि साहित्यकारों ने हिन्दी साहित्य को जो दिशा प्रदान की उसे स्वतंत्रता आंदोलन में एवं उसके उपरान्त राष्ट्र निर्माण में भी महान विभूतियों ने आगे बढ़ाया ।

Scanned by CamScanner